कक्षा दसवीं संकलित परीक्षा 1

विषय–हिंदी (ब)

समय 3 घण्टे **अधिकतम अंक 80**

खण्ड 'क'

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश **अंक 5.**

प्राचीन काल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझ लिया था। सुनी–सुनाई बातों के आधार पर लोगों में इस ग्रह के बारे में भ्रांतियाँ फैलती चली गई। यह ग्रह अत्यंत मंद गति से सूर्य के चारों ओर करीब तीस वर्ष में एक चक्कर पूरा करता है। शनि का दिन हमारे दिन से छोटा होता है। शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है। शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य से 150° सेंटीग्रेड नीचे रहता है। अत: यहाँ जीवन संभव नहीं है। वैज्ञानिक खोजों के आधार पर शनि के उपग्रहों की संख्या सत्रह हो गई है। शनि का सबसे बड़ा चंद्र टाइटन है। यह उपग्रह हमारे उपग्रह चंद्रमा से काफी बड़ा है। टाइटन की अद्‌भुत चीज़ इसका वायुमंडल है। इसके वायुमंडल में मीथेन गैस पर्याप्त मात्रा में है। इस पर मीथेन, पानी की तरह मानी जा सकती है। शनि को दूरबीन से देखा जाए तो इसके चारों ओर वलय या घेरे दिखाई देते हैं। इन वलयों या कंकणों से इसकी सुंदरता काफ़ी बढ़ जाती है। इन वलयों की खोज गैलीलियो ने की थी। नई खोजों के आधार पर सौरमंडल के कई ग्रहों के वलयों की खोज हो चुकी है। शनि जितने सुंदर और स्पष्ट वलय किसी ग्रह के नहीं हैं।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए–

(क) **शनिग्रह की सुंदरता का कारण है।** 1

(*i*) इसका सबसे छोटा होना।

(*ii*) सबसे अलग होना।

(*iii*) इसके के चारो ओर चमकते घेरे।

(*iv*) इसका सूर्य के समीप होना।

(ख) **शनि पर जीवन संभव नहीं है क्योंकि–** 1

(*i*) वहाँ क्रूर देव हैं।

(*ii*) बहुत गर्मी हैं।

(*iii*) बहुत ठंड है।

(*iv*) बहुत अँधेरा है ।

(ग) **धरती का उपग्रह है–** 1

(*i*) बुध

(*ii*) शनि

(*iii*) चंद्रमा

(*iv*) सूर्य

(घ) **मीथेन गैस को किसके समान माना गया है।** 1

(*i*) अग्नि

(*ii*) पानी

(*iii*) मिट्टी

(*iv*) रोशनी

(ङ) **शनि के वलयों की खोज करने वाले वैज्ञानिक–** 1

(*i*) आइनस्टाइन

(*ii*) न्यूटन

(*iii*) सी.वी. रमन

(*iv*) गैलीलियो

प्रश्न 2. **अपठित गद्यांश** अंक 5

काशी के सेठ गंगादास एक दिन गंगा में स्नान कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा । सेठजी तेजी से तैरते हुए उसके पास पहुँचे और किसी तरह खींच कर उसे किनारे ले आए । वह उनका मुनीम नंदलाल था। उन्होंने पूछा, 'आप को किसने गंगा में फेंका?' नंदलाल बोला, ' किसी ने नहीं, मैं तो आत्महत्या करना चाहता था। 'सेठजी ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा, 'मैंने आप के पाँच हजार रुपये चुरा कर सट्टे में लगाए और हार गया। मैंने सोचा कि आप मुझे जेल भिजवा देंगे इसलिए बदनामी के डर से मैंने मर जाना ही ठीक समझा।' कुछ देर तक सोचने के बाद सेठजी ने कहा, 'तुम्हारा अपराध माफ किया जा सकता है लेकिन एक शर्त है कि आज से कभी किसी प्रकार का सट्टा नहीं लगाओगे।' नंदलाल ने वचन दिया कि वह अब ऐसे काम नहीं करेगा। सेठ ने कहा, 'जाओ माफ किया। पाँच हजार रुपये मेरे नाम घरेलू खर्च में डाल देना।' मुनीम भौंचक्का रह गया। सेठजी ने कहा, 'तुमने चोरी तो की है लेकिन स्वभाव से तुम चोर नहीं हो। तुमने एक भूल की है, चोरी नहीं। जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले, वह कभी चोर हो नहीं सकता।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों को चुनकर लिखिए–

(क) **सच्चे भक्त से तात्पर्य है–** 1

(*i*) बिना स्वार्थ के पूजा करना

(*ii*) रोज मंदिर जाना

(*iii*) एक ही भगवान की पूजा करना

(*iv*) अपने धर्म में कट्टरता

(ख) **मुनीम आत्महत्या क्यों करना चाहता था–** 1

(*i*) जीवन से छुटकारा पाने के लिए

(*ii*) सेठजी को प्रभावित करने के लिए

(*iii*) दुनिया को दिखाने के लिए

(*iv*) अपराध बोध होने के कारण

(ग) **हमें समाज में किस चीज का डर सबसे ज्यादा होता है–** 1

(*i*) परिवार का

(*ii*) नौकरी का

(*iii*) रुतबे का

(*iv*) बदनामी का

(घ) **सेठजी को मालूम था कि मुनीम चोर है लेकिन फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया क्योंकि–** 1

(*i*) बाद में उसे जीवन भर गुलाम बनाना चाहते थे

(*ii*) भूल सुधारने का मौका देना चाहते थे

(*iii*) दुनिया को प्रभावित करना चाहते थे

(*iv*) समाज में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाना चाहते थे

(ङ) **गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है–** 1

(*i*) 'चोरी की सजा'

(*ii*) 'मेरा प्रण'

(*iii*) 'सेठजी की दयालुता'

(*iv*) 'मुनीम जी का दुख'

प्रश्न 3. **अपठित काव्यांश** अंक 5

ओ नए साल, कर कुछ कमाल, जाने वाले को जाने दे,
दिल से अभिनंदन करते हैं, कुछ नई उमंगें आने दे।
आने जाने से क्या डरना, ये मौसम आते जाते हैं,
तन झुलसे शिखर दुपहरी में कभी बादल भी छा जाते हैं।
इक वह मौसम भी आता है, जब पत्ते भी गिर जाते हैं,
हर मौसम को मनमीत बना, नवगीत खुशी के गाने दे।

जो भूल हुई जा भूल उसे, अब आगे भूल सुधार तो कर,
बदले में प्यार मिलेगा भी, पहले औरों से प्यार तो कर,
फूटेंगे प्यार के अंकुर भी, वह जमीं ज़रा तैयार तो कर,
भले जीत का जश्न मना, पर हार को भी स्वीकार तो कर,
मत नफ़रत के शोले भड़का, बस गीत प्यार के गाने दे।

इस दुनिया में लाखों आए और आकर चले गए,
कुछ मालिक बनकर बैठ गए, कुछ माल पचाकर चले गए,
कुछ किलों के अंदर बंद रहे, कुल किले बनाकर चले गए,
लेकिन कुछ ऐसे भी आए, जो शीश चढ़ाकर चले गए,
उन वीरों के पद-चिह्नों पर, अब 'साथी' सुमन चढ़ाने दे।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँट की लिखिए–

(क) **कवि नए साल से क्या कामना कर रहे हैं ?** 1

(*i*) स्वस्थ बने रहने की

(*ii*) नई उमंगों के आगमन की

(*iii*) सुख व समृद्धि की

(*iv*) लंबी आयु की

(ख) **मौसम के आने-जाने से अभिप्राय है–** 1

(*i*) क्रमशः ऋतुओं का आवागमन

(*ii*) अतिथियों का आवागमन

(*iii*) पशु-पक्षियों का आवागमन

(*iv*) सुखों व दुखों का आवागमन

(ग) **''भले जीत का जश्न मना.....'पंक्ति में कवि क्या प्रेरणा दे रहे हैं ?** 1

(*i*) सफलता-असफलता को समान भाव से स्वीकारने की

(*ii*) सफलता में स्वयं को भूल जाने की

(*iii*) असफलता में हताश हो जाने की

(*iv*) परिस्थितियों के अनुसार कर्म करने की

(घ) **'जो शीश चढ़ाकर चले गए'–पंक्ति किनकी ओर संकेत कर रही है?** 1

(*i*) ईश्वर भक्तों की ओर

(*ii*) शहीदों की ओर

(*iii*) देशवासियों की ओर

(*iv*) तपस्वियों की ओर

(ङ) **दुनिया में कैसे-कैसे लोग आए और चले गए ?** 1

(*i*) मालिक बनने वाले

(*ii*) किले में रहने वाले

(*iii*) किले बनाने वाले

(*iv*) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. **अपठित काव्यांश**

नहीं, ये मेरे देश की आँखें नहीं हैं
पुते गालों के ऊपर
नकली भवों के नीचे

छाया प्यार के छलावे बिछाती
मुकुर से उठाई हुई
मुसकान मुसकराती
ये आँखें
नहीं, ये मेरे देश की नहीं हैं.....
तनाव से झुर्रियाँ पड़ी कोरों की दरार से
शरारे छोड़ती घृणा से सिकुड़ी पुतलियाँ–
नहीं, वे मेरे देश की आँखें नहीं हैं.....
वन डालियों के बीच से
चौंकी अनपहचानी
कभी झाँकती हैं वे आँखें,
मेरे देश की आँखें,
खेतों के पार
मेड़ की लीक धारे
क्षिति–रेखा खीजती
सूनी कभी ताकती हैं
वे आँखें
डलिया हाथ से छोड़ा
और उड़ी धूल के बादल के
बीच में से झलमलाते
जाड़ों की अमावस में से
मैले चाँद–चेहरे सकुचाते
में टँकी थकी पलकें
उठाई–
और कितने काल–सागरों के पार तैर आई मेरे देश की आँखें.....

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए– अंक 5

(क) **'पुते गालों एवं नकली भवों' से कवि का क्या आशय है।** 1

(*i*) तरक्की एवं बनावटीपन

(*ii*) आधुनिकता एवं विकास

(*iii*) छलावा एवं बनावटीपन

(*iv*) छलावा एवं सूनापन

(ख) **कवि किस प्रकार की आँखों को अपने देश की आँखें नहीं मानता ?** 1

(*i*) शर्माती एवं सकुचाती, प्यार का छलावा करती आँखों को

(*ii*) तनाव एवं घृणा से भरी, प्यार का इज़हार करती आँखों को

(*iii*) ग्रामीण जन-जीवन की सहजता के भरी आँखों को

(*iv*) तनाव एवं घृणा से भरी, प्यार का छलावा करती आँखों को

(ग) **कवि किन आँखों को अपने देश की आँखें मानता है ?** 1

(*i*) जिनमें तनाव एवं घृणा भरी हो

(*ii*) जिनमे ग्रामीण जन-जीवन की सहजता हो

(*iii*) जिनमें प्यार का छलावा हो

(*iv*) जिनमें ग्रामीण जन-जीवन की जटिलता हो

(घ) **कवि देश की पहचान के विषय में क्या कहना चाह रहा है?** 1

(*i*) देश की पहचान गाँवों के जीवन की सहजता के कारण नहीं शहरी बनावटीपन के कारण है।

(*ii*) देश की पहचान शहरों के विकास के कारण है गाँवों के पिछड़ेपन के कारण नहीं है।

(*iii*) देश की पहचान शहरों के बनावटीपन के कारण नहीं गाँवों के जीवन की सहजता के कारण है ।

(*iv*) देश की पहचान सूनी ताकती आँखों के कारण नहीं पुते गालों के कारण है ।

(ङ) **इस काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा–** 1

(*i*) मुस्कराती मुस्कान

(*ii*) गर्वीली भवें

(*iii*) छाया प्यार की

(*iv*) आँखें मेरे देश की

खंड 'ख'

प्रश्न 5. (*i*) **निम्नलिखित में से विकारी शब्द नहीं होता है।** 1

(क) क्रिया

(ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण

(घ) क्रिया विशेषण

(*ii*) **सायांश आज <u>बनारस</u> जाएगा। रेखांकित को कहेंगे ।** 1

(क) सर्वनाम

(ख) शब्द

(ग) पद

(घ) पदबंध

(*iii*) **शेर बहुत तेजी से <u>दौड़ता हुआ चला आ रहा है।</u> रेखांकित में पदबंध का भेद है।–** 1

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया

(घ) क्रिया विशेषण

(*iv*) **'मौली ने <u>एक सुंदर मजबूत लाल</u> कलम खरीदी। रेखांकित में पदबंध का भेद है।**–1

(क) संज्ञा

(ख) विशेषण

(ग) क्रिया विशेषण

(घ) सर्वनाम

प्रश्न 6. (*i*) **<u>मैं</u> दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ। रेखांकित पद का परिचय है।** 1

क. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, प्रथम पुरूष, संबंध कारक

ख. जातिवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, अन्य पुरूष, संबंध कारक

ग. पुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, उत्तम पुरूष, कर्ता कारक

घ. निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, मध्यम पुरूष, कर्ता कारक

(*ii*) **सोनिया <u>हँस रही</u> है। रेखांकित पद का परिचय है।** 1

(क) अकर्मक क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(ख) अकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(ग) सकर्मक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाचक, वर्तमान काल

(*iii*) **'जैसा करोगे वैसा पाओगे।' रचना के आधार पर वाक्या का भेद है।** 1

(क) इच्छावाचक

(ख) सरल वाकय

(ग) मिश्रित वाक्य

(घ) संयुक्त वाक्य

(*iv*) **'वह प्रथम आया है। उस लड़के को ईनाम दो।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है:**–1

(क) प्रथम आने वाले लड़के को ईनाम दो।

(ख) उस लड़के को ईनाम दो जो प्रथम आया है।

(ग) वह प्रथम आया है इसलिए उसे ईनाम दो।

(घ) ईनाम प्रथम आने वाले लड़के को मिला है।

प्रश्न 7. (*i*) **'वह यहाँ आया था परंतु मैं न मिल सका।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है।**–1

(क) संदेहवाचक

(ख) विस्मयादिबोधक

(ग) मिश्रित वाक्य

(घ) संयुक्त वाक्य

(*ii*) **निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है:** 1

(क) घंटी बजते ही बच्चे घर चले गए।

(ख) घंटी बजी और बच्चे घर चले गए।

(ग) घंटी बजने के कारण बच्चे घर चले गए।

(घ) ज्यों ही घंटी बजी, बच्चे घर चले गए।

(*iii*) **'गंगोर्मि' का संधि विच्छेद है।** 1

(क) गंगा + उर्मि

(ख) गंगो + र्मि

(ग) गंगा + ऊर्मि

(घ) गंग + ओर्मि

(*iv*) **'अभि + उदय' की संधि है।–** 1

(क) अभिदय

(ख) अभ्यूदय

(ग) अभीदय

(घ) अभ्युदय

प्रश्न 8. (*i*) **'सत्यार्थ' में स्वर संधि का कौन सा भेद है।** 1

क दीर्घ संधि

ख गुण संधि

ग वृद्धि संधि

घ यण संधि

(*ii*) **'मालगाड़ी' समस्तपद का विग्रह है:–** 1

(क) माल और गाड़ी

(ख) माल के लिए गाड़ी

(ग) माल की गाड़ी

(घ) गाड़ी पर रखा हुआ माल

(*iii*) **'देह रूपी लता' का समस्त पद है:–** 1

(क) देहरूपता

(ख) देहरूपी

(ग) देहलता

(घ) देरूलता

(*iv*) **निम्नलिखित में किस समस्तपद में कर्मधारय समास है:-** 1

(क) कष्टसाध्य

(ख) रातभर

(ग) गंगातट

(घ) नीलगगन

प्रश्न 9. (*i*) **दो चोरों ने सबकी.....सबके सामने कीमती हार गायब कर दिया। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें–** 1

(क) गाढ़ी कमाई

(ख) आँखों का तारा

(ग) आँखों में धूल झोंककर

(घ) आसमान सिर पर उठाकर

(*ii*) **सरकार को चाहिए कि वह आतंकियों का.....डाले।**

1

(क) हथियार डालना

(ख) नाम निशान मिटाना

(ग) घाव पर नमक डालना

(घ) हाथ डालना

(*iii*) **'दाँतों पसीना आना' मुहावरे का अर्थ है।:-** 1

(क) बहुत अधिक परेशानी उठाना

(ख) पक्का दुश्मन होना

(ग) कहीं का न रहना

(घ) मन में लालच आना

(*iv*) **'ऐरा-गैरा नत्थू खैरा' लोकोक्ति का अर्थ है।:-** 1

(क) बेकार सवाल करने वाला

(ख) अनजान व्यक्ति

(ग) जिसे कोई पहचान ले

(घ) कोई भी महत्वहीन व्यक्ति

खण्ड 'ग'

प्रश्न 10. **किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए–**

अंक 5

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अंधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।।
हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

(*i*) **यहाँ 'मैं' का आशय है–** 1

(क) कबीर

(ख) बिहारी

(ग) अहंकार

(घ) अंधविश्वास

(*ii*) **ईश्वर को दुनिया क्यों नहीं देख पाती ?** 1

(क) अधिक अंधकार होने के कारण

(ख) अज्ञानता के कारण

(ग) दीपक न जल पाने के कारण

(घ) बहुत दूर होने के कारण

(*iii*) **यहाँ 'घर' किसका प्रतीक है ?** 1

(क) निवास स्थान का

(ख) आरामगाह का

(ग) विपत्तियों का

(घ) विषय वासनाओं का

(*iv*) **कवि का 'घर' जलाने से क्या आशय है ?** 1

(क) लोभ, मोह-माया, घृणा को जलाना

(ख) धन-सम्पत्ति व ध्यान को जलाना

(ग) परमात्मा के मार्ग को प्रकाशित करना

(घ) हमेशा त्याग के लिए तत्पर रहना

(*v*) **'मुराड़ा' का यहाँ क्या अर्थ है ?**

1

(क) अज्ञानता को जलाना

(ख) जलती हुई लकड़ी

(ग) जलता हुआ घमंड

(घ) जलता हुआ घर

अथवा

अंक 5

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश

पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।

मेखलाकर पर्वत अपार
अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल।
गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों से सुंदर
झरते है झाग भरे निर्झर

(*i*) **यहाँ किस ऋतु का वर्णन किया गया है ?** 1

(क) ग्रीष्म
(ख) शीत
(ग) वर्षा
(घ) हेमन्त

(*ii*) **पर्वत किस आकार में खडे हैं ?** 1

(क) मोतियों की माला के आकार में
(ख) करधनी के आकार में
(ग) सरताज के आकार में
(घ) दर्पण के आकार में

(*iii*) **पर्वत किसमें अपना प्रतिबिम्ब देख रहे हैं ?** 1

(क) झरने में
(ख) दर्पण में
(ग) फूलों में
(घ) तालाब में

(*iv*) **झरने क्या कर रहे हैं?** 1

(क) बहुत ऊँचाई से गिर रहे हैं
(ख) मोती की लड़ियाँ बना रहे हैं
(ग) पर्वतों का यशगान कर रहे हैं

(घ) दृश्य को बहुत सुंदर बना रहे हैं।

(*v*) **झरने किसके समान लग रहे हैं ?** 1

(क) उच्चाकांक्षाओं के समान

(ख) गौरव के समान

(ग) मोती की माला

(घ) फूलों की लड़ियों के समान

प्रश्न 11. **निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए।** **2×2.5=5**

(क) खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले कभी नहीं की गई थी। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) वामीरों से मिलने के बाद ततॉंरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया ?

(घ) शैलेंद्र के निजी जीवन की छाप उनकी फिल्म में झलकती है। कैसे ?

प्रश्न 12. **'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं?** अंक 5

अथवा

लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि 'तीसरी कसम' ने साहित्य रचना के साथ शत-प्रतिशत न्याय किया है?

प्रश्न 13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **अंक 5**

शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। उसे यह अभिमान हुआ था, कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहंकार किया था। भीख माँग-माँगकर मर गया। तुमने तो अभी केवल एक दर्जा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके। यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है, बार-बार नहीं लग सकती। कभी-कभी गुल्ली-डंडे में भी अंधा-चोट निशाना पड़ जाता है। इससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता। सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए।

(क) शैतान का हाल क्या हो गया था और क्यों? 1

(ख) सफल खिलाड़ी किसे कहा जाता है, किसे नहीं ? 1

(ग) शाहेरूम भीख माँग-माँगकर क्यों मर गया ? 1

(ग) 'अंधे के हाथ बटेर लगना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कर अर्थ स्पष्ट करें। 2

अथवा

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना। अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता । दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता । उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

(क) तताँरा कौन था ? वह अपना कर्तव्य किसे समझता था ? 2

(ख) उसकी तलवार को लोग क्या मानते थे ? 2

(ग) तताँरा को पर्व-त्योहार पर क्यों आमंत्रित किया जाता था ? 1

प्रश्न 14. (क) **'तोप' कविता के प्रतिपाद्‌य को स्पष्ट कीजिए।** **2**

(ख) **मीरा कृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या करने को तैयार है ?** **2**

(ग) **अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ?** **1**

प्रश्न 15. **अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ कैसे रखते हैं ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** **3**

अथवा

हरिहर काका कहानी समाज के किस कटु सत्य को उजागर करती है स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 16. **ठाकुर बाड़ी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्‌धा के जो भाव हैं, उनसे किस मनोवृत्ति का पता चलता है ?** **2**

खण्ड 'घ'

प्रश्न 17. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें–** **5**

(क) सम्मानपूर्वक जीना ही जीना है–

- आधुनिक युग में धन का बढ़ता महत्त्व
- धन जीवन नहीं है
- धन से अधिक महत्त्वपूर्ण मान सम्मान
- बेईमानी से कमाए धन का परिणाम बुरा

(ख) प्रकृति की रक्षा, मानव की सुरक्षा–

- मनुष्य प्रकृति का अंग
- प्रकृति से खिलवाड़
- बढ़ता प्रदूषण
- प्रकृति की रक्षा मानव-जाति का कर्त्तव्य

(ग) साँच को आँच नहीं–

- सत्य मार्ग पर चलने के लिए दृढ़ संकल्प
- सत्य का मार्ग प्रारंभ में कठिन
- सत्य के मार्ग पर चलने के लिए त्याग
- महापुरुषों का जीवन प्रेरणा स्त्रोत

प्रश्न 18. **दुकानदारों में बढ़ती जमाखोरी की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।** **अंक 5**

अथवा

अपने विद्यालय में तरणताल बनवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर निवेदन कीजिए।

हिन्दी पाठ्यक्रम 'ब'

कक्षा नवम

उत्तरमाला

प्रश्न 1.		1 × 5 = 5
	(क) (*iii*)	1
	(ख) (*iii*)	1
	(ग) (*iii*)	1
	(घ) (*ii*)	1
	(ङ) (*iv*)	1
प्रश्न 2.		1 × 5 = 5
	(क) (*i*)	1
	(ख) (*iv*)	1
	(ग) (*iv*)	1
	(घ) (*ii*)	1
	(ङ) (*iii*)	1
प्रश्न 3.		1 × 5 = 5
	(क) (*ii*)	1
	(ख) (*iv*)	1

	(ग)	(*i*)	1
	(घ)	(*ii*)	1
	(ङ)	(*iv*)	1
प्रश्न 4.			1 × 5 = 5
	(क)	(*iii*)	1
	(ख)	(*iv*)	1
	(ग)	(*ii*)	1
	(घ)	(*iii*)	1
	(ङ)	(*iv*)	1

खंड 'ख'

प्रश्न 5.	(*i*)	घ	1
	(*ii*)	ग	1
	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	ख	1
प्रश्न 6.	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	ख	1
	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	ख	1
प्रश्न 7.	(*i*)	घ	1
	(*ii*)	घ	1

	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	घ	1
प्रश्न 8.	(*i*)	क	1
	(*ii*)	ख	1
	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	घ	1
प्रश्न 9.	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	ख	1
	(*iii*)	क	1
	(*iv*)	घ	1
प्रश्न 10.	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	ख	1
	(*iii*)	घ	1
	(*iv*)	क	1
	(*v*)	ख	1

अथवा

(*i*)	ग	1
(*ii*)	ख	1
(*iii*)	घ	1
(*iv*)	ग	1

	(*v*) ग	1
प्रश्न 11.	विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर अपने मतानुसार दें ।	2.5×2 = 5
प्रश्न 12.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार दें ।	1×5 = 5
प्रश्न 13.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार दें ।	(कोई एक) = 5
प्रश्न 14.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार दें।	2+2+1=5
प्रश्न 15.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार दें ।	(कोई एक) = 3 प्रश्न प्रश्न 16.
	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार दें।	2

खण्ड 'घ'

प्रश्न 17.	विद्यार्थी संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखें	5
प्रश्न 18.	प्रारूप (आरम्भ एवं अंत) – 1.5 अंक	
	विषय वस्तु – 2.5 अंक	
	भाषा – 1 अंक	